

## **"Recent Advances in Mathematical Sciences and Interdisciplinary Areas (RAMSIA-22)"**

GLA University (01.06.2023)

Despite this invitation having landed up at a short notice, my love for mathematics made resistance with the usual occupied state in the office and ... finally I accepted to be the Chief Guest for the inaugural of this international online conference.

I had almost forgotten about this event organised more than a week ago, till I observed this clipping from the newspaper 'Hindustan' shared at whatsapp yesterday. This prompted me to share a story with you that always generate nostalgia on the subject.

During 1987-88, as I was being transformed by the esteemed Indian Air Force from a raw M. Sc. in Mathematics from Delhi University to an Aviation Meteorologist, I started realising the huge application of the subject in our daily life, that too for an escapable field of weather forecasting. And as I evolved further as an applied science man, the love for the subject kept growing for sure. Contrary to the poor myth that academics hardly play a role in your career involving real action, that too in a military set up got simply washed away soon.

As we have learnt that its a unique subject that deals with 'Chaos' and makes our life orderly. Its hardly a secret that certain known qualities of mathematics - reasoning, creativity, abstract & critical thinking, problem solving and many more life skills (especially communication) have really supported us to excel in life.

We all know that Mathematics is the backbone of all the emerging fields in research, be it Artificial Intelligence, Machine & Reinforcement Learning, Quantum Computing, Nano technology. The list is so long.

There is nothing that remains untouched by Mathematics imagine even 'Music' or our 'Culture' per-se.

It was really a pleasure communicating to almost 100+ faculties and research scholars on the D Day, where I shared my understanding, vision, desirability, challenges and constraints of R&D in both the 'pure' and 'applied' Mathematics (though the boundary between the two has no longer remained as evidenced from the publications in even 'Nature').



जीएलए की अंतर्राष्ट्रीय कॉफ्रेंस में गणितीय विज्ञान में शोध पर चर्चा करते विशेषज्ञ। • हिन्दुस्तान

## अंतर्राष्ट्रीय कॉफ्रेंस में गणितीय विज्ञान में शोध पर की चर्चा

मथुरा, हिन्दुस्तान संवाद। जीएलए विवि के गणित विभाग में रिसेंट एडवांसेज इन मैथमेटिकल साइंसेज एंड इंटर डिसीप्लिनरी एरियाज पर अंतर्राष्ट्रीय कॉफ्रेंस का आयोजन हुआ। कॉफ्रेंस में गणितीय विज्ञान में नई जानकारियों तथा खोजों से लाभान्वित होने एवं गणित के अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया।

मुख्य अतिथि भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एसईआरबी में वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजीव महाजन ने विद्यार्थियों को गणित की महत्ता और उसके प्रयोगों के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के जिलाधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने समझाया कि गणित किस प्रकार से मानव जीवन से जुड़े पहलुओं को आसान बनाने में योगदान दे सकता है। जीएलए विवि के कुलपति प्रो. फाल्गुनी गुप्ता

ने कहा विवि प्रतिवर्ष अलग-अलग विषयों पर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम को-चेयर डॉ. मनीष गोयल ने कॉफ्रेंस की थीम प्रस्तुत की।

कॉफ्रेंस के आयोजन में डीन रिसोर्स जनरेशन एंड प्लानिंग प्रो. दिवाकर भारद्वाज एवं डीन इंटरनेशनल रिलेशन एंड एकेडमिक कोलॉबोरेशन प्रो. दिलीप कुमार शर्मा का सहयोग रहा। आयोजन सचिव डॉ. अर्चना दीक्षित, डॉ. मुकेश कुमार एवं डॉ. विनोद भारद्वाज ने प्रतिभागियों को वर्ष 2023 में कॉफ्रेंस के द्वितीय संस्करण में पुनः सम्मिलित होने का आह्वान किया। डॉ. अंबुज कुमार मिश्रा व डॉ. पूजा पाठक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। संचालन डॉ. स्वेता शुक्ला व डॉ. निशा गोदानी ने किया। महावीर शर्मा एवं राधेश्याम सोनी का आयोजन में सहयोग रहा।